Auditing and Accounting
(लेखांकन एवं अंकेक्षण)

Part – A
2 MARKS

RAS 2016 SPECIAL MAINS (GS-I)

1. Explain meaning of operating cycle method.
परिचालन चक्र विधि का अर्थ बताइए।

- परिचालन चक्र समय की कुल अवधि है, जो सभी व्यावसायिक गतिविधियों को करने के लिए आवश्यक है यानी माल खरीद, माल उत्पादन (तैयार उत्पाद) माल की बिक्री और ग्राहकों से भुगतान एकत्र करना/व्यवसाय की वृद्धि के साथ उत्तरजीविता में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2. Write any two differences between Internal Check and Internal Audit.
आन्तरिक निरीक्षण एवं आन्तरिक अंकेक्षण में कोई दो अंतर लिखिए।

आन्तरिक निरीक्षण	आन्तरिक अंकेक्षण
यह कर्मचारियों के कार्य के दौरान जाँच की प्रणाली है। उद्देश्य- नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करना।	यह वित्तीय वर्ष के दौरान लेखों की जाँच करने की प्रणाली है। उद्देश्य- धोखाधड़ी का पता लगाना।

3. What does Balance-Sheet reveal? Write any two points.
स्थिति-विवरण क्या प्रकट करता है? कोई दो बिन्दु बताइए।

- स्थिति विवरण एक ऐसा विवरण–पत्र है, जो कंपनी के एक निश्चित तिथि (1 अप्रैल–31 मार्च) में वित्तीय स्थिति में बदलाव को दर्शाता है। साधारणत: यह लेखा अवधि की अंतिम तिथि को व्यापार खाता तथा लाभ–हानि खाता तैयार करने के बाद बनाया जाता है। यह निम्नलिखित जानकारी प्रकट करता है–
  (i) आर्थिक सुदृढ़ता के मापन में सहायता।
  (ii) व्यवसाय की प्रगति का मूल्यांकन।

4. Give any two differences between Efficiency Audit and Performance Audit.
निपुणता अंकेक्षण एवं निष्पादन अंकेक्षण में कोई दो अंतर बताइए।

निपुणता अंकेक्षण	निष्पादन अंकेक्षण
(i) इसमें व्यवसाय के प्रत्येक व्यवहार के औचित्य की जाँच की जाती है।	(i) इसमें व्यवसाय के किसी घटक की निष्पत्ति की समीक्षा की जाती है।
(ii) इसका उद्देश्य व्यवसाय के व्यवहारों की क्रिया में बदलाव करके व्यवसाय की निपुणता को बढ़ाना है।	(ii) इसका उद्देश्य यह जाँच करना है कि कार्य का संपादन निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं।

5. Give any two differences between traditional budgeting and zero base budgeting.
परम्परागत बजटन एवं शून्य आधारित बजटन में कोई दो अन्तर बताइए।

परम्परागत बजट	शून्य आधारित बजट
इसमें संदर्भ बिंदु की आवश्यकता होती है।	इसमें हमेशा शून्य से शुरू किया जाता है।
यह पूर्व व्यय स्तर पर जोर देता है।	यह एक नया आर्थिक प्रस्ताव बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है।
पिछले वर्ष की समान लागत को प्रोत्साहित करता है।	लागत प्रभावशीलता का समर्थन करता है।

RAS 2016 MAINS (GS-I)

1. Write any two objectives of Financial Statement Analysis.
वित्तीय विवरण विश्लेषण के कोई दो उद्देश्य लिखिए।

- वित्तीय विवरण विश्लेषण के दो उद्देश्य निम्नलिखित हैं-
- आर्थिक सुदृढ़ता के मापन में सहायता।
- व्यवसाय की प्रगति का मूल्यांकन।

2. What do you understand by Net Working Capital?
शुद्ध कार्यशील पूँजी से आप क्या समझते हैं?

- प्रत्येक व्यवसाय में दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवश्यक पूँजी कार्यशील पूँजी कहलाती है। शुद्ध कार्यशील पूँजी चालू सम्पत्तियों तथा चालू दायित्वों के अंतर से ज्ञात की जाती है।

3. Define Social Accounting.
सामाजिक लेखांकन को परिभाषित कीजिए।

- लेखांकन की वह विधि, जिसके अंतर्गत एक उपक्रम की व्यापारिक गतिविधियों के सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है। सामाजिक लेखांकन व्यावसायिक उपक्रम के सामाजिक उत्तरदायित्वों एवं अपेक्षाओं की अभिव्यक्ति है।

4. Write any two limitations of Responsibility Accounting.
उत्तरदायित्व लेखांकन की कोई दो सीमायें लिखिए।

- उत्तरदायित्व लेखांकन की दो सीमाएँ निम्नलिखित है-
  1. उत्तरदायित्व लेखांकन में आंतरिक नियंत्रण का कठोरता से पालन किया जाना चाहिए अन्यथा लेखांकन की प्रक्रिया संभव नहीं है।
  2. यह प्रबंधक की व्यक्तिगत राय को महत्त्व नहीं देता।

5. Write formulae of–
(i) Solvency Ratio (ii) Debt–Equity Ratio
निम्नलिखित के फार्मूले लिखिए–
(i) शोध क्षमता अनुपात (ii) ऋण-समता अनुपात

- सूत्र–
  (i) शोध क्षमता अनुपात (Solvency Ratio) = $\frac{\text{कुल दायित्व (Total Debts)}}{\text{कुल सम्पत्ति (Total Assets)}}$
  (ii) ऋण-समता अनुपात (Debt-equity Ratio) = $\frac{\text{दीर्घकालिक ऋण (Long Term Debts)}}{\text{अंशधारक निधि (Share Holder's Fund)}}$
  अंशधारक निधि = गैर चालू संपत्तियाँ + कार्यशील पूँजी – गैर चालू दायित्त्व

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

RAS 2018 MAINS (GS-I)

1. Define Efficiency Audit.
कुशलता अंकेक्षण को परिभाषित कीजिए ।

- कुशलता अंकेक्षण में व्यवसाय के उन व्यवहारों की जाँच की जाती है, जो व्यवसाय की निपुणता बढ़ाने हेतु किए गए थे तथा यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि प्रयासों में कितनी सफलता मिली। इसके साथ ही निष्कर्ष के आधार पर सलाह भी दी जाती हैं ताकि व्यवसाय की योजनाओं को शीघ्रता व दक्षता के साथ पूर्ण किया जा सके।

2. What is Ratio Analysis with reference to Analysis of Financial Statements?
वित्तीय विवरण पत्रों के विश्लेषण के संदर्भ में अनुपात विश्लेषण क्या है?

- अनुपात विश्लेषण के अंतर्गत निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप वित्तीय विवरणों के किन्हीं दो या अधिक मदों के मध्य अनुपात ज्ञात करके एक निश्चित निष्कर्ष तक पहुँचा जाता है। इस तकनीक से उद्यम की लाभ प्रदता, ऋण शोधन क्षमता तथा सक्षमता को मूल्यांकित किया जा सकता है।

3. What do you understand by 'Budgeting'?
बजटन से आप क्या समझते हैं?

- वह प्रक्रिया जिसमें संसाधनों की उपलब्धता का अनुमान लगाया जाता है तथा इन संसाधनों को विभिन्न गतिविधियों, संगठनों एवं विभागों को उनकी प्राथमिकता के आधार पर आवंटन कर अपनी नीतियों का संचालन किया जाता है, बजटन कहलाता है।

4. What is Social Audit?
सामाजिक अंकेक्षण क्या है?

- एक संस्था की सामाजिक गतिविधियों के लेखों की जाँच सामाजिक अंकेक्षण है। इसमें संस्था की उन गतिविधियों का व्यवस्थित मूल्यांकन व प्रतिवेदन होता है, जिनका सामाजिक प्रभाव होता हैं। वस्तुत: यह समाज के प्रति संस्था के योगदान का अंकेक्षण है।

5. What is Funds Flow Analysis Technique?
कोष प्रवाह विश्लेषण तकनीक क्या है?

- दो तिथियों के बीच एक व्यापारिक उद्यम की वित्तीय स्थिति में परिवर्तन का विश्लेषण करने हेतु तैयार की गई तकनीक को कोष प्रवाह विश्लेषण कहते हैं। सामान्यतया यह पिछले वर्ष और वर्तमान लेखा वर्ष के संबंध में आए बदलाव का विश्लेषण करता है।

RAS 2021 MAINS (GS-I)

1. What are compound journal entries?
मिश्रित जर्नल प्रविष्टियाँ क्या हैं?

- एक मिश्रित जर्नल प्रविष्टि वह है, जो दो से अधिक खातों को प्रभावित करती है, जिसमें एक से अधिक डेबिट एवं एक से अधिक क्रेडिट हो या एक से अधिक डेबिट–क्रेडिट दोनों हो।

2. Name any two methods of Trend Analysis.
प्रवृत्ति विश्लेषण की किन्हीं दो विधियों के नाम लिखिए।

(i) प्रवृत्ति प्रतिशत (ii) प्रवृत्ति अनुपात
(iii) बिंदु रेखीय/चित्रमय प्रदर्शन

3. Mention four types of responsibility centres with reference to Responsibility Accounting.
उत्तरदायित्व लेखांकन के संदर्भ में चार उत्तरदायित्व केंद्रों को बताइए।

1. लागत केन्द्र 2. आगम केन्द्र
3. लाभ केन्द्र 4. विनियोग केन्द्र

4. What is the designation of person having highest authority in Government Audit?
सरकारी अंकेक्षण में सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति का पदनाम क्या है?

- केंद्र या राज्य सरकारों के विभागों, संगठनों, कार्यालयों का अंकेक्षण सरकारी अंकेक्षण कहलाता है।
भारतीय संविधान के अनुच्छेद – 148 के तहत् भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की नियुक्ति की जाती है। जो भारतीय लेखा परीक्षण और लेखा विभाग का मुखिया होता है। प्रत्येक राज्य में ऐसा ही पद महालेखापाल का होता है।

5. Why Zero Base Budgeting was adopted by Government of India
भारत सरकार द्वारा शून्य आधार बजटन क्यों अपनाया गया था?

(1) सार्वजनिक व्यय की कार्यकुशलता बढ़ाना।
(2) सीमित संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग सुनिश्चित करना।
(3) निम्न उत्पादकता वाले कार्यक्रमों का परित्याग करना।
(4) औचित्यपूर्ण व्यय एवं उपलब्ध संसाधनों का विवेकपूर्ण आवंटन सुनिश्चित करना।

RAS 2023 MAINS (GS-I)

1. अंकेक्षण के कोई चार उद्देश्य दीजिए।
Give any four objectives of auditing.

उत्तर-
1. अन्तिम खातों की सच्चाई एवं शुद्धता की जाँच करना।
2. कम्पनी की वित्तीय स्थिति का पता लगाना।
3. कपट व अशुद्धियों को रोकना।
4. प्रबन्धको को सलाह देना।

2. भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षण के कोई चार कर्त्तव्य लिखिए।
Write any four duties of the Comptroller and Auditor General of India.

उत्तर- भारत के नियंत्रण व महालेखा परीक्षण के चार कार्य-
1. सरकारी खातों का लेखा परीक्षण।
2. सार्वजनिक उपक्रमों का लेखा परीक्षण।
3. संसद/विधानसभा के रिपोर्ट देना।
4. विनियोग लेखा परीक्षण।

कैग एक ऐसा प्रहरी है जो सुनिश्चित करता है कि जनता का पैसा कानून के दायरे में, उचित उद्देश्य के लिए खर्च हुआ है या नहीं।

3. अन्तरराष्ट्रीय अंकेक्षण तथा आश्वासन मानक मण्डल द्वारा दी गई परिभाषा के अनुसार अंकेक्षण तत्त्व लिखिए।
Write the auditing elements as per the definition given by International Auditing and Assurance Standards Board.

उत्तर- अन्तरराष्ट्रीय अंकेक्षण तथा आश्वासन मानक मण्डल द्वारा दी गई परिभाषा के अनुसार अंकेक्षण के तत्त्व-

तत्त्व	विवरण
तीन पक्षीय संबंध	प्रबंधन – अकेक्षण, उपयोगकर्त्ता
विषय वस्तु	वित्तीय विवरण, आतरिक नियंत्रण
उपयुक्त मापदंड	लेखांकन मापदण्ड- IFRS, GAAP
प्रर्याप्त प्रमाण	तथ्यात्मक साक्ष्य व निरीक्षण
अंकेक्षण रिपोर्ट	अंकेक्षण की स्वतंत्र राय

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

4. शून्य आधार बजटन की कोई चार मूलभूत विशेषताएँ लिखिए।
Write any four basic features of zero base budgeting.

उत्तर- शून्य आधार बजटन की चार मूलभूत विशेषताएँ-

1. पिछली योजनाओं या बजट को आधार नहीं माना जाता है।
2. इसमें अनावश्यक खर्च में कटौती होती है।
3. संसाधनों का आवंटन उच्च प्राथमिकता वाली गतिविधियों को पहले किया जाता है।
4. यह कार्य निष्पादन की गुणवत्ता व उत्पादकता को बढ़ाता हे।

5. प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार निष्पादन बजटन के कोई दो उद्देश्य लिखिए।
Write any two objectives of performance budgeting as recommended by the Administrative Reforms Commission.

उत्तर- प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार निष्पादन बजटन के दो उद्देश्य-

1. सरकारी कार्यक्रमो और सेवाओं की प्रभावशीलता और कार्यकुशलता में सुधार करना।
2. बजट में शामिल कार्यों और परिणामों का मूल्यांकन करना ताकि अपेक्षित व वास्तविक प्रदर्शन के बीच का अंतर कम हो तथा परिणामों का संचालन उच्चस्तर पर हो सके।

RAS 2024 MAINS (GS-I)

1. सरकारी अंकेक्षण के कोई दो उद्देश्य लिखिए।

उत्तर-

सरकारी अंकेक्षण के दो प्रमुख उद्देश्य हैं:

- **जवाबदेही सुनिश्चित करना:** यह जाँच करना कि कार्यपालिका ने सार्वजनिक धन का उपयोग नियमों और प्राधिकरणों के अनुसार किया है या नहीं, जिससे वित्तीय जवाबदेही स्थापित होती है।
- **धोखाधड़ी रोकथाम:** सरकारी वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए खातों में त्रुटियों और धोखाधड़ी का पता लगाना तथा उनकी रोकथाम करना।

2. सार्वजनिक क्षेत्र के संदर्भ में निष्पत्ति अंकेक्षण के तीन आधारभूत तत्त्व बताइये।

उत्तर-

सार्वजनिक क्षेत्र के संदर्भ में निष्पत्ति अंकेक्षण (Performance Audit) के तीन आधारभूत तत्त्व हैं:

1. मितव्ययिता : संसाधनों को न्यूनतम लागत पर प्राप्त करना।
2. दक्षता : कम संसाधनों से अधिकतम उत्पादकता सुनिश्चित करना।
3. प्रभावशीलता : निर्धारित लक्ष्यों और उद्देश्यों की वास्तविक पूर्ति का मूल्यांकन करना।

3. लेखांकन की दोहरी प्रविष्टि प्रणाली के अनुसार, लेखांकन के विभिन्न चरण कौन से हैं?

उत्तर-

दोहरी प्रविष्टि प्रणाली के अनुसार लेखांकन के चरण एक चक्र में होते हैं:

- अभिलेखन : लेन-देन को रोज़नामचा (Journal) में दर्ज करना।
- वर्गीकरण : खातों को खाता बही (Ledger) में पोस्ट करना।
- संक्षिप्तीकरण: तलपट और वित्तीय विवरण बनाना।
- सम्प्रेषण: जानकारी हितधारकों तक पहुँचाना।

4. निम्नलिखित सूचनाओं से व्यवसाय की पूँजी की गणना कीजिए:
(i) स्थायी संपत्तियाँ: ₹ 4,00,000
(ii) चालू दायित्व : ₹ 85,000
(iii) स्कन्ध, विविध देनदार एवं रोकड़: ₹90,000

उत्तर-

व्यवसाय की पूँजी = स्थायी संपत्ति + (स्कन्ध, विविध देनदार एवं रोकड़ – चालू दायित्व)
= 4,00,000 + (90,000 – 85,000) = 4,05,000

5. सामाजिक लेखांकन के कोई चार दृष्टिकोण (उपागम) दीजिए।

उत्तर-

– सामाजिक लेखांकन (Social Accounting) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत कोई संगठन अपने वित्तीय प्रदर्शन के अलावा समाज और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों को मापता है, रिपोर्ट करता है और उसका मूल्यांकन करता है।

सामाजिक लेखांकन के चार दृष्टिकोण (उपागम)निम्नलिखित हैं-

1. **क्लासिकल दृष्टिकोण:** इसका मानना है कि कानूनी दायरे में रहकर अधिकतम लाभ कमाना ही कंपनी का सबसे बड़ा सामाजिक दायित्व है।
2. **वर्णनात्मक दृष्टिकोण:** इसमें कंपनी अपने सामाजिक कार्यों का केवल लिखित (विवरणात्मक) वर्णन करती है, इसमें वित्तीय आंकड़ों का उपयोग नहीं होता।
3. **सामाजिक लागत-लाभ दृष्टिकोण:** इसमें कंपनी के कार्यों से समाज को होने वाले लाभ और नुकसान को रुपयों (मौद्रिक मूल्य) में मापा जाता है।
4. **सामाजिक संकेतक दृष्टिकोण:** इसमें गैर-मौद्रिक संकेतकों (जैसे- प्रदूषण का स्तर, रोजगार संख्या) के माध्यम से समाज पर प्रभाव को मापा जाता है।

❑❑❑

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

Part – B
5 MARKS

RAS 2016 SPECIAL MAINS (GS-I)

1. What do you mean by Social Accounting? Give any three characteristics of Social Accounting.
सामाजिक लेखांकन से आप क्या समझते हैं? सामाजिक लेखांकन की कोई तीन विशेषताएँ बताइए।

- **सामाजिक लेखांकन–** लेखांकन की वह विधि, जिसके अंतर्गत एक उपक्रम की व्यापारिक गतिविधियों के सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है। सामाजिक लेखांकन व्यावसायिक उपक्रम के सामाजिक उत्तरदायित्वों एवं अपेक्षाओं की अभिव्यक्ति है।
- **विशेषताएँ-**
  1. यह कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारियों की अभिव्यक्ति है।
  2. यह सामाजिक लागतों के साथ सामाजिक लाभ पर भी जोर देता है।
  3. यह सामाजिक संसाधनों के उपयोग से संबंधित है।
  4. सामाजिक लेखांकन समाज तथा संगठन के बीच संबंधों पर जोर देता है।

2. Mention five points that give significance of social audit.
सामाजिक अंकेक्षण की महत्ता को स्पष्ट करने वाले पाँच बिन्दु बताइए।

- **सामाजिक अंकेक्षण का महत्त्व-**
  1. योजनाओं की प्रगति के भौतिक सत्यापन हेतु प्रत्यक्ष प्रमाण उपलब्ध करवाता है।
  2. जन-सहभागिता बढ़ती है।
  3. कार्य एवं निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता आती है।
  4. जनसामान्य को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना।
  5. यह प्रशासन के प्रति लाभार्थियों में विश्वास को पोषित करता है।

RAS 2016 MAINS (GS-I)

1. Give any five differences between Fixed and Flexible Budgets.
स्थिर व लोचशील बजट में कोई पाँच अंतर बताइए।

स्थिर बजट	लोचशील बजट
i. यह परिस्थितियों को स्थिर मानकर बनाया जाता है।	i. यह परिस्थितियों के बदलने पर बदला जा सकता है।
ii. यह अनम्य है, तथा यह परिणाम की मात्रा के साथ नहीं बदलता।	ii. यह नम्य है तथा इसे परिणाम की मात्रा या परिस्थिति के अनुसार परिवर्तित किया जा सकता है।
iii. यदि उत्पादन की मात्रा भिन्न होती हैं, तो वास्तविक और बजटीय प्रदर्शन की तुलना संभव नहीं है।	iii. वास्तविक तुलना संभव है, क्योंकि आंकड़ों में परिवर्तन कर वास्तविक आंकड़ों में परिवर्तन किया जा सकता है।
iv. लागत को उनकी परिवर्तनशीलता के अनुसार वर्गीकृत नहीं किया जा सकता।	iv. लागत को उनकी परिवर्तनशीलता की प्रकृति के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।
v. शुद्ध परिणामों का पूर्वानुमान कठिन होता हैं।	v. व्यवसाय के परिचालन पहलुओं के विभिन्न खर्चों का प्रभाव दृष्टिगोचर होने से पूर्वानुमान संभव है।

2. Write the meaning of responsibility Accounting and the names of responsibility centres.
उत्तरदायित्व लेखांकन का अर्थ एंव उत्तरदायित्व केन्द्रों के नाम लिखिए।

- उत्तरदायित्व लेखांकन, लेखांकन लेखों व प्रतिवेदनों की एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें लागतों एवं उपक्रम के प्रत्येक कार्य हेतु किसी निश्चित व्यक्ति या समूह को उत्तरदायी ठहराया जाता है।
- अन्य शब्दों में इसके अंतर्गत एक संगठन के विभिन्न विभागों, खंडों तथा वर्गों को उत्तरदायित्व केन्द्र के रूप में स्थापित किया जाता है। प्रत्येक केन्द्र निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उत्तरदायी होता है।
- उत्तरदायित्व केन्द्रों के प्रकार निम्नलिखित हैं–
  1. लागत केन्द्र
  2. आगम केन्द्र
  3. लाभ केन्द्र
  4. विनियोग केन्द्र

RAS 2018 MAINS (GS-I)

1. Write a note on 'Zero base budgeting'.
'शून्य आधार बजटन' पर टिप्पणी लिखिए।

- यह एक नियोजन एवं बजटन की प्रक्रिया है, जिसमें किसी योजना को कोई आरम्भिक धनराशि आवंटित न करके प्रत्येक वर्ष नए सिरे से प्रारम्भ माना जाता है। इसमें किसी भी क्षेत्र पर किए जाने वाले खर्चों को व्यापक व विस्तृत चर्चा के बाद सम्मिलित किया जाता है, जिससे अनावश्यक खर्चों पर तुरन्त रोक लगती है तथा जनता पर करों का बोझ कम हो जाता है। इस तकनीक से सीमित संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग, औचित्यपूर्ण व्यय व संसाधनों का विवेकपूर्ण आवंटन संभव हो पाता है।

2. What is Operating Cycle Concept of Working Capital?
कार्यशील पूँजी की परिचालन चक्र अवधारणा क्या है?

- व्यवसाय के शुद्ध परिचालन चक्र की अवधि हेतु परिचालन के विभिन्न स्वरूपों के लिए लगने वाली पूँजी की मात्रा को कार्यशील पूँजी कहा जाता है। परिचालन चक्र अवधारणा को निम्नलिखित चित्र से समझा जा सकता है-

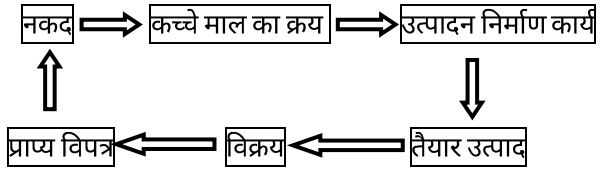

- सामान्य अर्थों में किसी व्यवसाय में कच्चे माल का क्रय करना उससे निर्मित माल तैयार करना फिर उसे बेचना तत्पश्चात नकद वसूल करना यह परिचालन चक्र कहलाता है। इस चक्र को पूरा होने में लगने वाले समय को परिचालन अवधि कहते हैं। परिचालन चक्र अवधारणा कार्यशील पूँजी के अनुमान लगाने का विशिष्ट साधन है, इससे नकद पूँजी प्रवाह की गणना संभव हो पाती है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

RAS 2021 MAINS (GS-I)

1. Explain Dual-aspect concept in context of Double Entry System of Accounting with suitable examples.
उचित उदाहरण देते हुए लेखांकन की दोहरी प्रविष्टि प्रणाली के संदर्भ में द्वि-पक्ष अवधारणा को समझाइए।

- यह प्रणाली द्विपक्षीय अवधारणा पर आधारित है, जिसमें प्रत्येक लेन-देन डेबिट व क्रेडिट पक्ष दोनों को समान रूप से प्रभावित करते हैं। एक पक्ष पाने वाला होता है और दूसरा देने वाला। अत: प्रत्येक लेन-देन का प्रभाव दो खातों पर पड़ता है और उसकी खतौनी दोनों खातों के दोनों पक्षों में की जाती है।

उदाहरणार्थ–
संपत्ति क्रय की प्रविष्टि – Assets A/c Dr.
to cash A/c
इस प्रविष्टि की खतौनी Assets A/c के Dr.पक्ष में to cash A/c से तथा cash A/c के Cr. पक्ष में by assets a/c के रूप में की जाएगी।

2. 'Performance Budgeting is useful for Government and Public sector undertaking.' Why?
'निष्पादन बजटिंग सरकार व सार्वजनिक उपक्रमों के लिए उपयोगी है। क्यों?'

- **सरकार के लिए उपयोगी –**
  (1) यह सरकार के प्रबंधन के सभी स्तरों पर बजट प्रक्रिया समीक्षा तथा निर्णय निर्माण में सुधार लाता है।
  (2) यह विधायिका की वित्तीय साक्षरता में वृद्धि करता है क्योंकि विधायिका के सदस्यों के लिए इसे समझाना आसान होता है।
  (3) सरकारी योजनाओं की दीर्घकालीन लक्ष्यों की प्रगति को आंकने में सहायक है।
  (4) सरकारी तंत्र को अधिक कार्यकुशल, मितव्ययी तथा जवाबदेह तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करता है।
- **सार्वजनिक उपक्रमों के लिए –**
  (1) यह उपक्रमों के कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं के भौतिक एवं वित्तीय पहलुओं में संबंध कायम करता है।
  (2) यह परियोजनाओं की दीर्घकालीन लक्ष्यों की प्रगति को आंकने में सहायक।
  (3) यह लेखा परीक्षण को अधिक सक्षम एवं आसान बनाती है।
  (4) सार्वजनिक उपक्रमों में मितव्ययता तथा जवाबदेहिता को बढ़ाने के लिए।

RAS 2023 MAINS (GS-I)

1. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की कोई 5 तकनीकें लिखिए-
वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की 5 तकनीके –
Write any 5 techniques of analysis of financial statements-
5 techniques of analysis of financial statements –

1. **तुलनात्मक विवरण-** यह तकनीक दो या दो से अधिक वर्षों के वित्तीय विवरणों तुलना करती है जिसमें समय के साथ हुए परिवर्तनों का पता चलता है।
2. **समानकार विवरण-** इसमें वित्तीय आँकड़ों को कुल के प्रतिशत के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जिसमें विभिन्न मदों की सापेक्ष महत्त्व समझा जा सकता है।
3. **प्रवृत्ति विश्लेषण-** यह तकनीकी समय के साथ वित्तीय आँकड़ों में होने वाले संसाधनों का अध्ययन करती है।
4. **अनुपात विश्लेषण-** इसमें वित्तीय आंकड़ों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए अनुपातों का उपयोग का जाता है। उदाहरण- तरलता अनुपात, लाभ-प्रदता अनुपात।
5. **रोकड़ प्रवाह विश्लेषण-** यह तकनीकी किसी व्यवसाय के नकद प्रवाह का विश्लेषण करती है जिसमें कंपनी की विनियम स्थिति और भविष्य की नकद आवश्कताओं का अनुमान लगाया जा सकता है।

2. निम्नांकित व्यवहारों की जर्नल प्रविष्टियाँ बिना विवरण के दीजिए –
Give journal entries for the following transactions without explanation –

1. बी को रु. 20000 का माल नकद व रु. 10000 का उधार बेचा।
2. बी द्वारा रु. 5000 का माल लौटाया गया।
3. रु. 5000 का माल व्यक्तिगत उपयोग के लिए निकाला गया।
4. ऑफिस कार्य के लिए रु. 30,000 मूल्य का फर्नीचर खरीदा।
5. रु. 5,000 मूल्य का माल आग से नष्ट हो गया।

उत्तर

तिथि (Date)	विवरण (Particular)	ब.पृ.स. (L.F.)	नाम राशि (रु.) (Debit)	जमा राशि (रु.) (Credit)
1	Cash a/c Dr. B a/c Dr. To Sales a/c		20,000 10,000	30,000
2.	Sales retuer a/c Dr. To B a/c		5000	5000
3.	Drawing a/c Dr. To Purches (Stock) a/c		5000	5000
4.	Furniture a/c Dr. To cash a/c		30,000	30,000
5.	Loss by fire a/c Dr. To Purches a/c		5000	5000
	Total		**75,000**	**75,000**

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

RAS 2024 MAINS (GS-I)

1. निम्नलिखित सूचनाएँ एबीसी (ABC) लि. की पुस्तकों से ली गई हैं:

नकद व बैंक शेष	30,000
व्यापारिक देयता	45,000
व्यापारिक प्राप्य	75,000
रहतिया	30,000
विक्रय (समस्त उधार)	4,50,000
बेचे गये माल की लागत	3,15,000

ज्ञात कीजिए :

(i) चालू अनुपात;
(ii) त्वरित अनुपात;
(iii) प्राप्य आवर्त अनुपात;
(iv) रहतिया आवर्त अनुपात;
(v) सकल लाभ अनुपात

उत्तर-

(i) चालू अनुपात $= \frac{\text{चालू परिसंपत्तियाँ}}{\text{चालू दायित्व}} = \frac{135000}{45000} = 3:1$

चालू संपत्तियाँ = नकद + व्यापार प्राप्तियाँ + रहतिया
चालू संपत्तियाँ $= 30000 + 75000 + 30000 = 135000$
चालू दायित्व = व्यापार देयताएँ $= 45000$

(ii) त्वरित अनुपात $= \frac{\text{तरल परिसंपत्तियाँ}}{\text{चालू दायित्व}}$

$$= \frac{105000}{45000} = 2.33:1$$

त्वरित संपत्तियाँ = चालू संपत्तियाँ – रहतिया
$= 135000 - 30000 = 105000$

(iii) प्राप्य आवर्त अनुपात $= \frac{\text{नेट क्रेडिट सेल्स}}{\text{औसत व्यापार प्राप्तियाँ}}$

$$= \frac{450000}{75000} = 6 \text{ गुणा}$$

(iv) रहतिया आवर्त अनुपात $= \frac{\text{बेचे गए माल की लागत}}{\text{औसत रहतिया}}$

$= \frac{315000}{30000} = 10.5$ गुणा

(v) सकल लाभ अनुपात की गणना $= \frac{\text{सकल लाभ}}{\text{शुद्ध बिक्री}} \times 100$

$$= \frac{135000}{450000} \times 100 = 30\%$$

सकल लाभ = बिक्री – बेचे गए माल की लागत
$= 450000 - 315000 = 135000$

2. क्या तलपट का मिलान लेखा पुस्तकों की शुद्धता का अकाट्य प्रमाण है? यदि नहीं, तो तलपट के मिलान के पश्चात् भी कौन-कौन सी अशुद्धियाँ रह सकती हैं?

उत्तर-

– तलपट (Trial Balance) का मिलान लेखा पुस्तकों की गणितीय शुद्धता का प्रमाण है, लेकिन यह अकाट्य या पूर्ण प्रमाण नहीं है। इसका अर्थ यह है कि तलपट के दोनों पक्षों (डेबिट और क्रेडिट) का योग बराबर होने के बावजूद भी, लेखांकन प्रक्रिया में कई तरह की अशुद्धियाँ (Errors) रह सकती हैं।

– तलपट केवल यह जाँचता है कि प्रत्येक लेनदेन के लिए डेबिट और क्रेडिट प्रविष्टियाँ समान राशि के साथ की गई हैं या नहीं (दोहरी प्रविष्टि प्रणाली का पालन हुआ है या नहीं)। यह लेनदेन की प्रकृति या इरादे की शुद्धता की जाँच नहीं करता है।

– तलपट के मिलान के बाद भी निम्नलिखित प्रकार की अशुद्धियाँ रह सकती हैं, क्योंकि ये अशुद्धियाँ तलपट के डेबिट और क्रेडिट संतुलन को प्रभावित नहीं करतीं:

1. **भूल-चूक की अशुद्धियाँ (Errors of Omission):** जब किसी लेनदेन को लेखा पुस्तकों (खाताबही) में दर्ज करना पूरी तरह से छोड़ दिया जाता है, तो इसे भूल-चूक की अशुद्धि कहते हैं।
उदाहरण: ₹5,000 का माल नकद बेचा गया, लेकिन इसे जर्नल में या किसी भी बही में दर्ज नहीं किया गया।
– **प्रभाव:** चूँकि लेनदेन पूरी तरह से छूट गया, इसलिए डेबिट या क्रेडिट, किसी भी पक्ष पर कोई प्रविष्टि नहीं हुई। इसलिए, तलपट तब भी मिल जाएगा।

2. **क्षतिपूरक अशुद्धियाँ (Compensating Errors):** जब एक अशुद्धि का प्रभाव दूसरी अशुद्धि के प्रभाव से स्वचालित रूप से समाप्त हो जाता है, तो उसे क्षतिपूरक अशुद्धि कहते हैं।
– **उदाहरण:** रमेश के खाते में ₹1,000 कम डेबिट किए गए, और सुरेश के खाते में भी ₹1,000 कम क्रेडिट किए गए।
– **प्रभाव:**एक खाते की कमी दूसरे खाते की कमी को संतुलित कर देती है। कुल डेबिट और कुल क्रेडिट योग समान रहते हैं, इसलिए तलपट मिल जाता है।

3. **सैद्धांतिक अशुद्धियाँ (Errors of Principle):** जब लेखांकन के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन किया जाता है, तो ये अशुद्धियाँ होती हैं।
– **उदाहरण:** मशीनरी की खरीद पर किए गए व्यय (पूंजीगत व्यय) को मरम्मत खाते (राजस्व व्यय) में डेबिट कर दिया गया।
– **प्रभाव:** खातों की प्रकृति गलत है, लेकिन डेबिट और क्रेडिट की राशि सही है। मशीनरी खाते के बजाय मरम्मत खाते को डेबिट किया गया, लेकिन डेबिट कुल योग में सही राशि ही गई। तलपट मिल जाएगा।

4. **लेखांकन की अशुद्धियाँ (Errors of Commission):** यह तब होती है जब लेनदेन को सही खाते में दर्ज किया जाता है, लेकिन गलत राशि के साथ, या जब सहायक बहियों में गलत राशि लिखी जाती है और वह गलती आगे भी जारी रहती है।
– **उदाहरण** (जो तलपट नहीं मिलाते, लेकिन यहाँ कुछ विशिष्ट प्रकार हैं): यदि किसी बिक्री बही का योग गलत लगाया गया है, तो तलपट नहीं मिलेगा। हालांकि, कुछ मामलों में: यदि गलत राशि दोनों पक्षों में लिख दी जाए (जैसे ₹500 के बजाय ₹5,000 की प्रविष्टि करना), तो तलपट मिल जाएगा, लेकिन राशि गलत होगी।

5. **प्रारंभिक प्रविष्टि की अशुद्धियाँ (Errors of Original Entry):**जब लेनदेन को जर्नल या सहायक बही में ही गलत राशि से दर्ज किया जाता है, और फिर उसी गलत राशि को खाताबही में खतियाया (posted) जाता है।
– **उदाहरण:** ₹10,000 की बिक्री को मूल रूप से ₹1,000 दर्ज किया गया, और फिर इसी ₹1,000 को बिक्री खाते में क्रेडिट और ग्राहक खाते में डेबिट किया गया।
– **प्रभाव:** दोनों पक्षों में एक ही गलत राशि है, इसलिए तलपट मिल जाएगा।

– तलपट का मिलान केवल गणितीय सटीकता की एक प्रथम-दृष्टया जाँच है। पूर्ण शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए, विस्तृत ऑडिट (लेखा परीक्षा) और सुलह (reconciliation) प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है।

❑❑❑

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119